आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 10.09.2024 समय : 0705

<><><><><><><><>

- वस्तु और सेवा कर परिषद ने कैंसर की दवाओं पर जीएसटी की दर बारह प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दी है।
- सिविल सेवा और सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए छात्रों के मार्गदर्शन के लिए मध्योत्तर अंडमान जिला पुलिस ने "दिशा" कार्यक्रम की शुरूआत की है।
- समावेशी शिक्षा कार्यक्रम के तहत डिगलीपुर अंचल के विभिन्न स्कूलों के बच्चों को दिव्यांगजन पहचान के लिए शिविर का आयोजन किया गया।
- सिविल सेवा और सशस्त्र बलों में कैरियर चुनने के लिए मध्योत्तर जिला पुलिस की ओर से छात्रों के लिए दिशा कार्यक्रम की पहल की गई है।
- राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद कोलकाता और एन सी ई आर टी, शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा आयोजित करेगा।

<><><><><><><><>

वस्तु और सेवा कर–जीएसटी परिषद ने कैंसर की दवाओं पर जीएसटी की दर बारह प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दी है। चुनिंदा नमकीन पर जीएसटी अट्ठारह फीसदी से घटाकर बारह फीसदी किया गया। नई दिल्ली में कल वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन की अध्यक्षता में परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। श्रीमती सीतारामन ने कहा कि कैंसर की दवाओं पर जीएसटी दर कम करने के निर्णय का उद्देश्य कैंसर के उपचार की लागत कम करना है। वित्त मंत्री ने कहा कि परिषद ने जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर कर की दर कम करने पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह गठित करने का फैसला किया है।

<><><><><><><><>

मध्योत्तर अण्डमान जिला उपायुक्त दिलखुश मीना के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सात सितंबर को डिगलीपुर के किशोरीनगर ग्राम पंचायत हॉल में आयोजित किया गया था, शिविर का उद्देश्य विभिन्न कानूनी मुद्दों पर स्थानीय लोगों को शिक्षित और सशक्त बनाना था।

शिविर में मायाबंदर के अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश सुभाजीत बसु मुख्य अतिथि के रूप में और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तरुण कुमार मंडल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में न्यायाधीश सुभाजीत बसु ने समुदाय को प्रभावित करने वाले प्रमुख कानूनी मुद्दों पर जोर दिया, कानूनी जागरूकता के महत्व और कानूनी निवारण के लिए उपलब्ध तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया। मायाबंदर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तरुण कुमार मंडल ने लोक अदालतों और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं तथा प्रतिभागियों को वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों के बारे में जानकारी दी। शिविर में उपस्थित लोगों ने जानकारी पूर्ण सत्रों और कानूनी विशेषज्ञों से सीधे जुड़ने के अवसर के लिए अपनी सराहना व्यक्त की।

<><><><><><><>

समावेशी शिक्षा कार्यक्रम के तहत डिगलीपुर अंचल के विभिन्न स्कूलों के बच्चों को दिव्यांगजन पहचान के लिए शिविर का आयोजन किया गया। समग्र शिक्षा के डिगलीपुर खंड परियोजना कार्यालय की ओर से कल विवेकानंद स्टेडियम के बहुदेशीय सभागार में आयोजित शिविर का उदघाटन करते हुए उप शिक्षा अाकिारी सुलोचना ने कहा कि समाज में आज दिव्यांगजनो ंके प्रति सकारात्मक सोच बन रही है। ऐसे बच्चे सामान्य बच्चों से कम नहीं होते है और उनमें भी कुछ न कुछ प्रतिभा अवश्य मिलती है। जरूरत उन्हें पहचान कर निखारने की है। उन्हांने बताया कि समग्र शिक्षा के समावेशी कार्यक्रम की ओर दिव्यांगज स्कूली बच्चों के कल्याण के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। छात्रवृत्ति के अलावा पढ़ाई लिखाई में सहायता के रूप में सामग्रियों भी दी जाती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय के माध्यम से कृत्रिम अंग बनाने वाली एक संस्था द्वारा समग्र शिक्षा के तहत दिव्यांग स्कूली बच्चों को सहायक उपकरण और कृत्रिम अंग दिए जाते हैं। उप शिक्षा अधिकारी ने माता पिता और अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे अपने दिव्यांग बच्चो ंके लिए समय निकालें और उनकी जरूरतों को समझने का प्रयास करें। कार्यक्रम के दौरान पिछले सत्र में आयोजित शिविर में पहचाने गए विशेष जरूरतमंद बच्चों को सहायक उपकरण प्रदान किए गए। करीब सत्तर दिव्यांग बच्चों की जांच भी की गई, जिनमें से पचास बच्चों के लिए सहायक उपकरण और कृत्रिम अंगों की जरूरत महसूस की गई। संबंधित संस्था की ओर से जल्द ही यह उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

<><><><><><><>

समाज कल्याण विभाग मध्योत्तर अण्डमान जिले में दिव्यांगजनों के लिए आज और कल स्क्रीनिंग और जागरूकता शिविर आयोजित करेगा। इस शिविर का उददेश्य दिव्यांग व्यक्त्यिों की सहायता योजना के तहत आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान करना और उपलब्ध सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह शिविर डिगलीपुर में सुबह नौ बजे से शाम तीन बजे तक आयोजित किया जाएगा। अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह के समग्र क्षेत्रीय केन्द्र निदेशक द्वारा जारी विज्ञप्ति में दिव्यांग व्यक्तियों और उनके परिजनों को स्क्रीनिंग शिविर में आवश्यक दस्तावेजों एवं प्रमाणपत्रों के साथ उपस्थित रहने को कहा गया है, ताकि सीआरसी द्वारा प्रदान किए जाने वाले सेवाओं का लाभ उठाया जा सके। पंजीकरण के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से सम्पर्क किया जा सकता है।

<><><><><><><>

सिविल सेवा और सशस्त्र बलों में करियर के लिए छात्रों को सशक्त बनाने और मार्गदर्शन करने के एक सराहनीय प्रयास में, मध्योत्तर अंडमान जिला पुलिस ने "दिशा" कार्यक्रम की पहल की है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिले भर के छात्रों को व्यापक करियर मार्गदर्शन प्रदान करना है, विशेष रूप से सिविल सेवा और सशस्त्र बलों में अवसरों पर ध्यान केंद्रित करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कल मध्योत्तर अण्डमान के पुलिस अधीक्षक के सम्मेलन कक्ष में करियर मार्गदर्शन पर पहला सत्र आयोजित किया गयाा। इस कार्यक्रम में कदमतला और रंगत के छह स्कूलों के तैंतीस छात्रों ने भाग लिया। सत्र के दौरान पुलिस अधीक्षक गीतांजलि खंडेलवाल ने सिविल सेवाओं में एक सफल करियर बनाने के तरीके पर अपने विचार व्यक्त किए। मध्योत्तर जिला पुलिस द्वारा "दिशा" पहल से जिले के युवाओं के लिए मार्गदर्शन और नए रास्ते खुलने की उम्मीद है, जिससे उन्हें नागरिक और रक्षा सेवाओं में सफल कैरियर बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और संसाधनों से लैस किया जा सके।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से पद्म पुरस्कारों के लिए प्रेरक हस्तियों को नामांकित करने का आग्रह किया है। नामांकन की अंतिम तिथि पन्द्रह सितम्बर है। प्रधानमंत्री ने कई नामांकन प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। नामांकन अवार्डस डॉट जीओवी डॉट आई एन पर किये जा सकते हैं।

<><><><><><><>

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण विश्व ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में आज से चौदह सितंबर के दौरान द्वीपों में जैव विविधता पर प्रदर्शनी आयोजित करेगा।

विश्व ओजोन दिवस को ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में भी जाना जाता है, यह सोलह सितंबर को मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। विश्व ओज़ोन दिवस दो हजार चौबीस का विषय है, "जीवन के लिए ओजोन"। इस संबंध में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, संरक्षित जीवों के नमूनों, पोस्टर, पैम्फलेट और वीडियो के माध्यम से विश्व ओजोन दिवस दो हजार चौबीस के उत्सव के हिस्से के रूप में जैव विविधता पर एक प्रदर्शनी आयोजित कर रहा है। इस अवसर पर, ई.आई.ए.सी.पी. केंद्र की ओर से छात्रों, शिक्षकों और आम जनता के लिए अद्वितीय पशु विविधता को देखने के लिए प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इच्छुक स्कूल, कॉलेजों के छात्रों को प्रदर्शनी की अवधि के दौरान संग्रहालय देखने की व्यवस्था की जाएगी। प्रवेश निःशुल्क रहेगा और सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक प्रदर्शनी देखी जा सकती है।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रशासन द्वारा पिछले वर्ष नौ जुलाई को ग्रुप सी की मैट्रिक स्तरीय पदों के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया था। पिछले वर्ष इन पदों के लिए दस्तावेजों की जांच के दौरान स्वास्थ्य विभाग में टेलर के पद के लिए निर्धारित मापदंडों में योग्य उम्मीदवार नहीं पाए गए थे। प्रशासन ने पिछले वर्ष नौ जुलाई को इन पदों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा में शामिल उम्मीदवारों की दस्तावेजों की जांच करने का निर्णय लिया है। ऐसे उम्मीदवार, जिनके पास निर्धारित तकनीकी या ट्रेड योग्यता है, वे चौदह सितम्बर को सुबह साढ़े नौ बजे से दस्तावेजों की जांच के लिए सचिवालय के लघु सम्मेलन कक्ष में उपस्थित हो सकते हैं।

<><><><><><><><>

स्कूली बच्चों को विज्ञान के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद कोलकाता और एन सी ई आर टी, शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा आयोजित करेगा। अगले महीने की तेईस और सत्ताईस तारीख को आयोजित होने वाली इस प्रतिभा खोज परीक्षा में कक्षा छठी से ग्यारहवीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। हिन्दी, अंग्रेजी सहित बारह क्षेत्रीय प्रमुख भारतीय भाषाओं में आयोजित होने वाली इस परीक्षा में विद्यार्थी तेईस अक्तूबर या सत्ताईस अक्तूबर को शामिल हो सकते हैं। सुबह दस बजे से छः बजे तक की इस परीक्षा में विद्यार्थी स्कूलों से या अपने घरों से परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी राज्य स्तर की परीक्षा में शामिल होंगे। इच्छुक विद्यार्थी व्यक्तिगत रूप से समूहों में स्कूल लिंक के माध्यम से पन्द्रह सितम्बर तक पंजीकरण करा सकते हैं।

<><><><><><><><>